कोपेन का जलवायु वर्गीकरण

Ⓐ परिचय

Ⓑ आधार → कोपेन महोदय ने अपने जलवायु वर्गीकरण के मुख्य रूप से तीन ग चीजों को आधार माना है

(i) वर्षा
(ii) तापमान
(iii) वनस्पति

जब कोपेन महोदय ने वनस्पति वैज्ञानिक कैंडोल महोदय का वनस्पति वर्गीकरण का अध्ययन किया तो उन्हे लगा कि वनस्पति को प्रभावित करने वाले दो और कारक है जिससे जलवायु का वर्गीकरण किया गया

सकता है जैसे - तापमान एवं वर्षा ।
कोपेन महोदय का वनस्पति वर्गीकरण को
निम्न मॉडल द्वारा देख सकते हैं -

A – मेगाथर्मल
B – जेरोफाइट
C – माइक्रोथर्मल
D – मेसोथर्मल
E – हेकिस्टोथर्मल

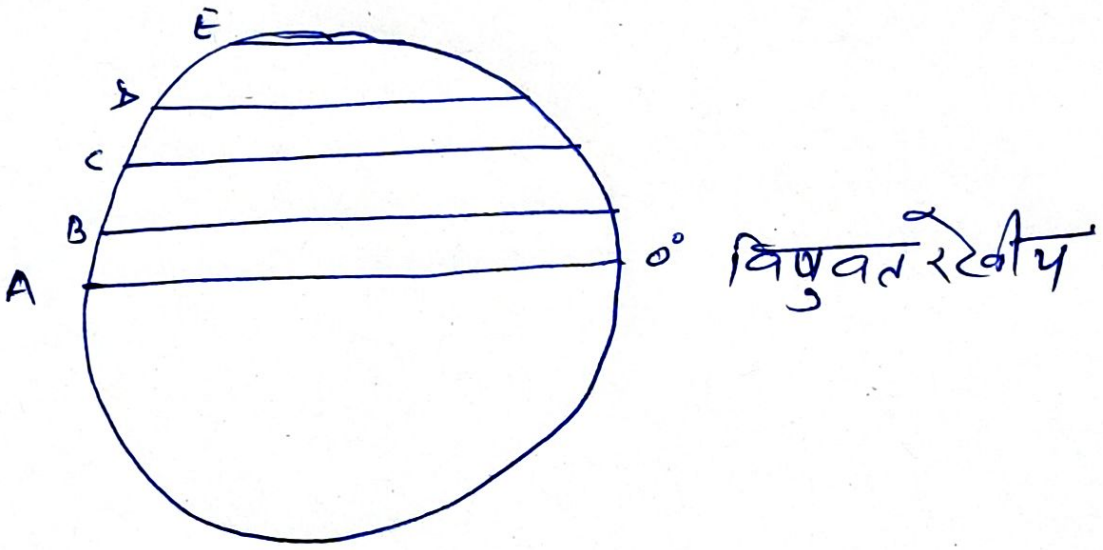

उपर्युक्त मॉडल को देखने से पता चलता है कि कोपेन महोदय ने विषुवत रेखा से उत्तरी ध्रुव की तरफ तापमान के कमी होने के फलस्वरूप वनस्पतियों का वर्गीकरण किया है इसी को आधार मानते हुए कोपेन महोदय ने भी जलवायु के

MegazolidPLUS

वर्गीकरण हेतु अंग्रेजी के इन पांचो अक्षरों का प्रयोग जलवायु के वर्गीकरण के किया है साथ ही साथ कुछ छोटे-2 अक्षरों का उपयोग वर्षा को निर्धारित करने हेतु किया है।

(c) कोपेन का जलवायु वर्गीकरण

इन्होंने जलवायु का वर्गीकरण तापमान, वर्षा के आधार पर किया है जो अलग-2 वर्षों में किया जो इस प्रकार है —

(i) 1900 ई.सन्

(ii) 1918 ई.सन्

(iii) 1931 ई.सन्

(iv) 1936 ई.सन्

Megazolid PLUS

(i) तापमान के आधार पर

A – उष्ण आर्द्र

B → शुष्क जलवायु

C → उष्णार्द्र समशीतोष्ण

D → शीतार्द्र

E → 10°C↓ ग्रीष्म ऋतु न होती है

(ii) वर्षा के आधार पर

f → वर्ष भर वर्षा

m → मानसूनी वर्षा

w – ग्रीष्म वर्षा

s → ग्रीष्म शुष्क

Megazolid PLUS

इस प्रकार तापमान एवं वर्षा के आधारों को आपस में मिलाकर जलवायु का वर्गीकरण किया

जैसे :-

A के साथ सभी छोटे अक्षरों का

B के साथ सभी छोटे अक्षरों का प्रयोग

C " " "

D " " "

E के साथ T एवं F का प्रयोग

(D) समीक्षा :- उपर्युक्त जलवायु वर्गीकरण कोपेन के द्वारा किया गया जो मान्य रहा परन्तु कुछ जलवायु भूगोलवेत्ताओं के द्वारा इसके वर्गीकरण की आलोचनाएँ भी की गईं।

Megazolid PLUS